।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565–224600, 224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

एस. रघुनाथन अणुव्रत पुरस्कार से सम्मानित
भ्रश्टाचार के विरोध में बुलंद हो अणुव्रत का स्वर – आचार्य महाप्रज्ञ

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 14 मार्च : अणुव्रत अनु ास्ता आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने कहा कि अणुव्रत के जन्म दाता आचार्य तुलसी की जन्म भाताब्दी सामने है। इन चार वर्शों में अणुव्रत के स्वर को इतना बूलंद करना है कि भ्रश्टाचार में लिप्त लोगों को स्वयं की गलती का अहसास हो जाये और वे लोग भ्रश्टाचार को छोड़ जीवन में नैतिकता को प्रमुखता देने लग जाएं।

आचार्यश्री कस्बे के मालू भवन में जय तुलसी फाऊंडें ान के द्वारा प्रतिवर्श दिया जाने वाला प्रतिश्ठित अणुव्रत पुरस्कार समर्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एस रघुनाथन को अणुव्रत पुरस्कार 2008 देकर जय तुलसी फाऊंडें ान के प्रबंध ट्रस्टी सुरेन्द्र कुमार दूगड़, पूर्व प्रबंध ट्रस्टी बनेचंद मालू विकास परिशद् के संयोजक लालचंद सिंघी, पूर्व संयोजक मांगीलाल सेठिया, अणुव्रत महासमिति के राश्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल रांका ने सम्मानित किया। एस. रघुनाथन को इस पुरस्कार स्वरुप 1 लाख 51 हजार रुपये सममूल्य का चैक, प्र ास्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

अणुव्रत, जीवन विज्ञान और नैतिकता के क्षेत्र में एस. रघुनाथन द्वारा दिये गये कार्यो की सराहना करते आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि किसी व्यक्ति के बारे में कुछ कहना बहुत कठिन काम है। वस्तु के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है। पर व्यक्ति चेनावान प्राणी है, उसमें बदलाव आते रहते हैं। इसलिए उसके बारे में कहना कठिन है। परन्तु कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जिनके बारे में कह सकते हैं। उन कुछेक व्यक्तियों में एक नाम है एस. रघुनाथन का। इन्होने जीवन को निरंतर एक जैसा जीया और जीवन विज्ञान को राजकीय क्षेत्र में सर्वप्रथम जोड़ने का काम किया। आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि रघुनाथन साधक व्यक्ति है। स्वयं प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करते हैं। इसीलिए दिल्ली की मुख्यमंत्री के इतने प्रिय बन गये। इसके पीछे केवल इनका बौद्धिक पक्ष ही नहीं है साधना का पक्ष भी है। उन्होंने श्रीमति सुधामही रघुनाथन द्वारा अपने साहित्य को व्यापक बनाने में योगदान देने की सराहना भी की।

आचार्यश्री ने कहा कि जो व्यक्ति जीवन में नैतिकता को प्रमुखता देता है। वह माने या न माने परन्तु जन्मजात वह अणुव्रती होता है। उन्होंने अणुव्रत से जुड़े कार्यकर्ताओं को अणुव्रत के कु ाल प्रवक्ता तैयार करने की प्रेरणा दी।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जो भ्रश्टाचार के माहौल में अभ्रश्टाचार का कार्य करता है वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। एस. रघुनाथन ने अपने जीवन में नैतिकता को स्थान दिया। इनके जीवन में अणुव्रत का प्रभाव है वह प्रभाव औरों पर भी पड़े ऐसा प्रयास होना चाहिए। साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने कहा कि मनुश्य देखता है और सीखता है। आज मनुश्य क्या देख रहा है ? उपभोगतावादि संस्कृति हावी हो रही है और अमेरिकन जीवन भौली अपनाने को उत्सुक हो रहा है। अणुव्रत की चर्चा संयम और नैतिकता की चर्चा है। जब तक संयम की बात सार्थक नहीं होगी तब तक मनुश्य जाति पर मंडरा रहे खतरे का समाधान नहीं होगा। उन्होने कहा कि चयन समिति के सामने ऐसा व्यक्ति खोजना कठिन हो रहा था जो संयम के साथ जीता हो और पुरस्कार की अर्हता रखता हो। ऐसी स्थिति में एस.रघुनाथन जैसा व्यक्ति मिला जो बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यनियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि एस रघुनाथन के रग रग में अणुव्रत बोल रहा है। ऐसे हाथों में

क्रम I: 2

पुरस्कार पहुचंकर स्वयं पुरस्कार पुरस्कृत होता है। कार्यक्रम में वि ोश तौर पर उपस्थित बीकानेर के सांसद अर्जुनलाल मेघवाल ने अणुव्रत के संस्कारों एवं आचार्य तुलसी से बचपन से ही जुड़े होने की चर्चा करते हुए कहा कि अणुव्रत जीवन को उन्नत बनाया है। अणुव्रत प्रभारी मुनि सुखलाल, जीवन विज्ञान प्रभारी मुनि कि ानलाल ने एस. रघुनाथन को अणुव्रत पुरस्कार दिये जाने पर प्र ान्नता व्यक्त की। तेरापंथ विकास परिशद् के पूर्व संयोजक मांगीलाल सेठिया ने रघुनाथन का परिचय प्रस्तुत किया। जय तुलसी फाऊंडे ान के प्रबंध न्यासी सुरेन्द्र कुमार दूगड़ ने स्वागत भाशण दिया। पूर्व प्रबंध न्यासी एवं प्रवास व्यवस्था समिति के संरक्षक बनेचंद मालू ने प्र ास्ति पत्र का वाचन किया। एस. रघुनाथन की धर्मपत्नि एवं जैन वि व भारती की पूर्व कुलपति सुधामहि रघुनाथन ने आचार्य महाप्रज्ञ के साहित्य को अपने जीवन का निर्माण करने वाला बताया।

एस. रघुनाथन ने पुरस्कार स्वीकृति भाशण में आचार्य महाप्रज्ञ एवं जय तुलसी फाऊंडे ान का आभार जताते हुए अणुव्रत, जीवन विज्ञान से जुड़ने के घटनाक्रम पर प्रका ा डाला। तेरापंथ विकास परिशद् के संयोजक लालचंद सिंघी ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन तेरापंथ विकास परिशद् के महामंत्री डालमचंद बैद ने किया। इस मौके पर आगंतुक अतिथियों का साहित्य के द्वारा सम्मान आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति की तरफ से – बनेचंद मालू, लालचंद सिंघी, कन्हैयालाल छाजेड़, धनराज पुगलिया, विजयसिंह पारख, रिद्धकरण लूणिया, भीकमचंद पुगलिया, तुलसीराम चौरड़िया, भंवरलाल राखेचा, हेमराज भयामसुखा, सुन्दरलाल सिंघी, विजयराज सेठिया, के.एल. जैन, पवन सेठिया व सुरेन्द्र चुरा आदि ने किया।

भ्रश्टाचार निरोधक रैली का आयोजन

कार्यक्रम से पूर्व अणुव्रत महासमिति दिल्ली के द्वारा भ्रश्टाचार निरोधक रैली का आयोजन किया। इस रैली में अणुव्रत महासमिति के राश्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल रांका, निवर्तमान अध्यक्ष महेन्द्र कर्णावट सहित कार्यकारिणी के सदस्य और अणुव्रत ि ाक्षक संसद की संगोश्ठि में भाग लेने दे ा भर से पहुंचे ि ाक्षकगण ने भाग लिया। इस रैली को युवाचार्य महाश्रमण, मुनि सुखलाल ने संबोधित किया।

आचार्य महाप्रज्ञ ने दिये श्रावकों को विभिन्न संबोधन

समारोह में आचार्य महाप्रज्ञ ने अणुव्रत पुरस्कार से सम्मानित एस.रघुनाथन को अणुव्रत प्रवक्ता का संबोध ान प्रदान किया। उन्होने इस मौके पर बनेचंद मालू के पिता रूकमानंद मालू की जन्म भाताब्दी का उल्लेख करते हुए उनको श्रद्धानिश्ठ श्रावक एवं भाासन भक्त संबोधन और पुनमचंद मालू को श्रद्धानिश्ठ श्रावक, तेरापंथ विकास परिशद् के संयोजक लालचंद सिंघी और उनके छोटे भाई माणकचंद सिंघी को भाासन सेवी संबोधन प्रदान किये। उल्लेखनीय है कि बनेचंद मालू को पूर्व में भाासनसेवी संबोधन प्रदान किया जा चुका है।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक